



# पर्यावरण, जल, और जीवन



'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बरबाद करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2004 के एक सर्वेक्षण के अनुसार पूरी दुनिया के एक अरब से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता है। भूजल से आ रही गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दौहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सम्मान करना पड़ रहा है। हवा, पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन है, मगर उसका सदुपयोग हमारा दायित्व है। पीने योग्य स्वच्छ जल कुल उपलब्ध पानी का एक प्रतिशत से भी कम है। आओ हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हम पानी को बर्बाद नहीं करेंगे। एक व्यक्ति पूरे जीवन में जितना प्रदूषण फैलाता है उसे शुद्ध करने में 300 वृक्षों की शवित लगती है। एक व्यक्ति एक दिन में जितनी ऑक्सीजन लेता है उससे 3 ऑक्सीजन सिलेण्डर भरे जा सकते हैं जिसकी अनुमानित लागत 2100/- बनती है। इस प्रकार एक व्यक्ति (यदि औसत आयु 65 वर्ष मान ले) अपने जीवनकाल में 5 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की ऑक्सीजन प्रकृति से मुफ्त में प्राप्त करता है परन्तु बदले में प्रकृति को कुछ नहीं देता। प्रति वर्ष जंगल कटते जा रहे हैं और इसी कारण प्रदूषण बढ़ रहा है जो वैश्विक तापमान बढ़ाने व जलवायु परिवर्तन का है। प्रकृति से प्यार करें। प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करें। हर वर्ष एक पौधा अवश्य लगाएं और जल संरक्षण को अपनी आदत का भाग बनाएं। प्रदूषण न फैलाएं।

- ❖ कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छोड़ें। ❖ पुश्त बटन वाली टूटी लगावायें।
- ❖ शेविंग या पेस्ट करते या हाथ मुँह धोते समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें।
- ❖ नहाते समय पानी बाल्टी भरकर मग ढारा ही प्रयोग करें। ❖ कपड़ों को मशीन में नहीं, बाल्टी में खंगालें।
- ❖ पानी की टंकी/कूलर आदि में गुवारा लगावायें ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले।
- ❖ पाईप से अपने वाहनों को न धोएं तथा पशु न नहलाएं। विद्युत मोटर से पानी भरने वाली टंकी में 'वाटर बैल' लगावाएं।
- ❖ मिट्टी वाले सामान/रथान को यहले झाड़ पोंछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें। धोने से परहेज करें।
- ❖ घरों में फर्श धोने की बजाए केवल झाड़ पोचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी भी न धोएं।
- ❖ अनावश्यक छिड़काव बिल्कुल न करें।
- ❖ भूजल स्तर बढ़ाने के लिए वाटर रिचार्ज लगायें। ❖ सिंचाई के लिए सूखम सिंचाई प्रणाली (द्रिप तकनीक) अपनायें।
- ❖ वर्षा जल संग्रहण तकनीक अपनाएं तथा गांव के तालाब में पानी एकत्रित करें।
- ❖ तम्बाकु का प्रयोग बिल्कुल न करें, चीनी व चावल का उपयोग कम से कम करें यद्योंकि इनके उत्पादन में सर्वाधिक पानी खर्च होता है। ❖ हर वर्ष एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी स्वयं सुरक्षा करें।
- ❖ कागज बेकार न करें और कम से कम प्रयोग करें, यद्योंकि कागज पेड़ के गुद्दे से बनता है।

❖ विजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें।

❖ बड़े बल्ब की बजाय सीएफएल ट्यूब प्रयोग करें।

❖ रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें।

## पेड़ बचेगा, पानी बढ़ेगा - पानी बचेगा, जीवन बचेगा

स्वयं करें, परिवार व काम वाली/नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचाएं।

जल स्टार



**रमेश गोयल,** बी.ए., बी.कॉम., एल एल.बी., आयकर सलाहकार  
राष्ट्रीय संयोजक पर्यावरण, भारत विकास परिषद्  
20, आर.एस.डी. कालोनी, सिरसा (हरियाणा) मो. 94160-49757, 92537-00005  
Website : [www.savewatersavelife.com](http://www.savewatersavelife.com), Email : [rameshgoalsrs@gmail.com](mailto:rameshgoalsrs@gmail.com)

सौजन्य : मनीष गोयल सी.ए., सी.एस., एलएल.बी. मो. 092150-20757

सर्वोत्तम प्रिंटिंग प्रेस (ऑफ-सेट), सिरसा 221543

पढ़ें और पढ़ायें - फैक्ट्स नहीं, दूसरों को दे दें



## जल, विद्युत बचत अभियान

'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बरबाद करते हैं। विश्व स्वारक्ष्य संगठन के 2004 के एक सर्वेक्षण के अनुसार पूरी दूनिया के एक अरब से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता है। भूजल वैज्ञानिकों की भविष्यवाणियों के अनुसार भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में अधिक जल बोहन से भू-जलस्तर में तेजी से आ रही गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक बोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। पानी के लिए लड़ाई गली मोहल्ले से लेकर विभिन्न देशों तक अवसर देखी गई है। पंजाब-हरियाणा, कर्नाटक-तामिलनाडू, हरियाणा-दिल्ली, पंजाब-राजस्थान जैसे प्रांतों का पानी के लिए आपसी तनाव जग जाहिर है। बहुत से लोग यह नहीं जानते कि वे अनजाने में बहुत पानी बरबाद करते हैं। हवा, पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन है, भगव उसका सद्वृप्योग हमारा वाधित्व है। पीने योग्य स्वच्छ जल कुल उपलब्ध पानी का एक प्रतिशत से भी कम है। भारत में जल संकट को बूर करने के रास्ते में चार मुख्य चुनौतियां हैं :- 1. सावर्जनिक सिंचाई नहरों की क्षमता में बढ़ावटी, 2. कम हो रहे भूमि जल संग्रह को पुनः संग्रहित करना, 3. प्रति यूनिट पानी में फसलों की उत्पादकता में वृद्धि 4. भूमिगत और भूमि के ऊपर जल स्रोतों को नष्ट होने से बचाना। विख्यात जल विशेषज्ञ प्रो॰ आसित विश्वास के अनुसार बीते दो सौ वर्षों के मुकाबले आने वाले 20 वर्षों में जल प्रबन्धन की आवश्यकता उससे अधिक होगी। अगर हम पानी की बचत नहीं करेंगे तो 'विन पानी सब सून' अनुसार एक दिन ऐसा आएगा कि पानी के बिना हम तड़फने लगेंगे। किसी शहर या गांव में सभी मिलकर यदि यह संकल्प कर लें कि हम पानी को बर्बाद नहीं होने देंगे तो वहाँ कभी भी पानी की कमी नहीं होगी। आओ हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हम पानी को बर्बाद नहीं करेंगे।

निम्नलिखित अनुसार आप पानी की बचत कर सकते हैं :-

- ❖ कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छोड़ें।
- ❖ शैविंग या पेरस्ट करते या हाथ मुह धोते समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें। मग में पानी भरकर प्रयोग करें। ❖ यदि सम्भव हो तो पुश बटन वाली टूटी लगवायें।
- ❖ नहाते समय पानी वाली भरकर मग ढारा ही प्रयोग करें। ❖ कपड़ों को मशीन में नहीं, बाल्टी में खंगालें।
- ❖ किसी पाईप में रिसाव हो तो उसे तुरन्त टीक करायें। ❖ आर.ओ. का पानी बेकार न जाने दें।
- ❖ पानी की टंकी/कूलर आदि में गुवारा लगवायें ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले अन्यथा विशेष ध्यान रखें कि पानी बाहर न गिरे। ❖ पाईप से अपने वाहनों को न धोएं तथा पशु न नहलाएं।
- ❖ बर्तन साफ किए हुए टब के पानी व कपड़े खंगाले हुए पानी को सफाई, पौधों या अन्य काम में लें।
- ❖ भिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोंछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें। धोने से परहेज करें।
- ❖ घरों में फर्श धोने की बजाए केवल झाड़ योद्धा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी भी न धोएं।
- ❖ यदि कही कोई सावर्जनिक नल खुला देखें तो उसे तुरन्त बन्द दें। ❖ अनावश्यक छिड़काय बिल्कुल न करें।
- ❖ भूजल स्तर बढ़ाने के लिए वाटर रिचार्जर लगायें। ❖ सिंचाई के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली (ड्रिप तकनीक) अपनायें।
- ❖ वर्षा जल संग्रहण तकनीक अपनाएं तथा गांव के तालाब में पानी एकत्रित करें।
- ❖ तम्बाकु, चीनी व चावल का उपयोग कम से कम करें क्योंकि इनके उत्पादन में सर्वाधिक पानी खर्च होता है
- ❖ बिजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें। ❖ बड़े बल्ब की बजाय सीएफएल ट्यूब प्रयोग करें।
- ❖ रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें।

**पानी बचेगा, जीवन बचेगा - बिजली बचेगी धन बचेगा**

**स्वयं करें, परिवार व काम वाली/नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचाएं।**



जलस्तार

**रमेश गोवल**, बी.ए., बी.कॉम., एलएल.बी., आयकर सलाहकार  
क्षेत्रीय महामन्त्री, भारत विकास परिषद्

20, आर.एस.डी. कालोनी, सिरसा (हरि) मो. 94160-49757, 92152-20757

# जल-विद्युत बचत अभियान



'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बरबाद करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2004 के एक सर्वेक्षण के अनुसार पूरी दूनिया के एक आरब से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता है। भूजल से आ रही गिरावट इस खतरे का सकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी संकट का सामना करना पड़ रहा है। पानी के लिए लड़ाई गली बोहल्ले से लेकर विभिन्न देशों तक अक्सर बेखी गई है। जाहिर है। बहुत से लोग यह नहीं जानते कि वे अनजाने में बहुत पानी बरबाद करते हैं। हवा, पानी, बिट्टी आदि प्रकृति की भारत में जल संकट को दूर करने के रास्ते में चार मुख्य चुनौतियाँ हैं :- 1. सावर्जनिक सिंचाई नहरों की क्षमता में 2. कम हो रहे भूमि जल संग्रह को पुनः संग्रहित करना, 3. प्रति यूनिट पानी में फसलों की उत्पादकता में वृद्धि दीते दो सी वर्षों के मुकाबले आने वाले 20 वर्षों में जल प्रबन्धन की आवश्यकता उससे अधिक होती। अगर हम पानी की या गांव में सभी मिलकर यदि यह सकल्प कर लें कि हम पानी को बर्बाद नहीं होने देंगे तो वहाँ कभी भी पानी की कमी नहीं होगी। आओ हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हम पानी को बर्बाद नहीं करें।

★ कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छोड़ें।

- ★ शैविंग या पेस्ट करते या हाथ शुंह धोते समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें। मग में पानी भरकर प्रयोग करें। ★ यदि सम्भव हो तो पुरा बटन वाली दूटी लगवायें। ★ पाईप से अपने बाहनों को न धोएं तथा पशु न नहलाएं।
- ★ नहाते समय पानी बाल्टी भरकर मग ढारा ही प्रयोग करें। ★ कपड़ों को मशीन में नहीं, बाल्टी में खगालें।
- ★ किसी पाईप में रिसाव हो तो उसे तुरन्त टीक करायें। ★ गार औं, कम पानी देकार न जाने दें।
- ★ पानी की टक्की/कूलर आदि में गुबारा लगवाये ताकि टक्की भर जाने पर पानी बाहर न निकले अन्यथा विशेष ध्यान रखें कि पानी बाहर न गिरे। ★ विद्युत बोटर से पानी भरने वाली टक्की में 'वाटर बैल' लगवाएं।
- ★ वर्तन साफ किए हुए टब के पानी व कपड़े खगाले हुए पानी को ज़फाई, पोथों या अन्य काम में लें।
- ★ बिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें। धोने से परहेज करें।
- ★ घरों में फर्श धोने की बजाए केवल झाड़ पोचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी भी न धोएं।
- ★ यदि कहीं कोई सावर्जनिक नल खुला देखें तो उसे तुरन्त बन्द दें। ★ अनावश्यक छिड़काव बिल्कुल न करें।
- ★ भूजल संतर बढ़ाने के लिए वाटर रिसार्जर लगायें। ★ सिवाई के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली (द्विप तकनीक) अपनायें।
- ★ वर्षा जल संग्रहण तकनीक अपनाएं तथा गांव के तालाब में पानी एकत्रित करें।
- ★ तन्हाकु का उपयोग बिल्कुल न करें तथा चीनी व चावल का उपयोग कम करें यद्योऽकि इनके उत्पादन में सर्वाधिक पानी खर्च होता है।

★ विजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें। ★ बड़े बल्ब की बजाय सीएफएल ट्यूब प्रयोग करें।

★ रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें।

**पानी बचेगा, जीवन बचेगा - विजली बचेगी धन बचेगा**  
स्वयं करें, परिदार व दास वाली/दौकान वाली समझाएं, समाज को जगायें, देश बचाएं।

**रमेश गोयल**, बी.ए., बी.कॉम., एल एल.बी., आयकर सलाहकार

अभियान संयोजक :  
क्षेत्रीय मन्त्री, भारत विकास परिषद्

20, आर.एस.डी. कालोनी, सिरसा (हरि) मो. 94160-49757, 92537-00005

सौजन्य : मनीष गोयल सी.ए., सी.एस., एल एल.बी. मो. 092150-20757

लोकसंघ प्रिंटिंग प्रेस (लोक-सेट), सिरसा 221543

पढ़ें और पढ़ायें - फैंकें नहीं, दूसरों को दे दें





सम्पर्क

सहयोग

राजकार

सेवा

समर्पण

## भारत विकास परिषद्, सिरसा

# जल विद्युत बचत अभियान

जल ही जीवन है। यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बरबाद करते हैं। विश्व रसायन संगठन के 2004 के एक रपोर्ट के अनुसार पूरी दृग्मिया के एक अखंक से अधिक लोगों को पीछे का साफ़ पानी नहीं मिलता। गूढ़ जल वैज्ञानिकों की गविष्ठतापिण्डि के अनुसार भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में अधिक जल दोहन से भू-जलस्तर में सेंजी से आ रही गिरावट इस खतरे का राकेत है कि आज वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर ही लड़ा जाएगा। 2031 तक वर्तमान रुटर से चार गुण अधिक पानी की आवश्यकता होंगी। पानी के महत्व का न समझ पाने और इसके उन्नीसित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के बलते ही आज सभी देशों को पानी के सकट का सामना करना पड़ रहा है। पानी के लिए लड़ाई गली गोहले से लेकर विभिन्न देशों तक अक्सर देखी गई है। पंजाब, हरियाणा, कर्नाटक-तामिलनाडु, हरियाणा-दिल्ली जैसे प्रांतों का पानी के लिए आपसी तनाव जाग जाहिर है। बहुत से लोग यह नहीं जानते कि वे अनजाने में बहुत पानी बरबाद करते हैं। हवा, पानी, घटिटी आदि प्रकृति की देने हैं परन्तु गुप्त का माल नहीं है। भारत में जल सकट को दूर करने के रास्ते में चार मुख्य चुनौतियाँ हैं— 1. सार्वजनिक सिचाई नहरों की समता में बढ़ोतारी, 2. कम हो रहे भूमि जल संग्रह को पुनर्योजित करना, 3. प्रति घृनिट पानी में फरलों की उत्पादकता में वृद्धि, 4. भूमित और भूगि के उपर जल रस्तों को नष्ट होने से बचाना। विद्युत जल विशेषज्ञ प्रीति आसित विस्वास के अनुसार वीरों दो सी बाईं के मुकाबले जाने वाले 20 वर्षों में जल प्रबन्धन की आवश्यकता उत्तरी अधिक होगी। अगर हम पानी की बचत नहीं करेंगे तो विन पानी सब सून अनुसार एक दिन ऐसा आएगा कि पानी के बिना हम लड़फने लगें। किसी शहर या गांव में रासी मिलकर यदि यह साकल्प कर लें कि हम पानी को बरबाद नहीं होने देंगे तो वहाँ कभी भी पानी की कमी नहीं होगी। आओ हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हम पानी को बरबाद नहीं करेंगे।

हम निम्नलिखित अनुसार पानी की बचत कर सकते हैं—

1. कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छाड़े।
2. शेविंग या पेस्ट करते या हाथ मुह धोते समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें। मग में पानी भरकर प्रयोग करें। यदि समाज हो तो पुरा बटन बाली ढूँढ़ी लगवायें।
3. नष्टाते समय पानी बाल्टी मर कर ही प्रयोग करें।
4. कपड़ों को मरीन में नहीं बाल्टी में खगालें।
5. किसी पाईप में रिसाव हो तो उसे तुरन्त ठीक करायें।
6. पानी की टंकी/फूल आदि में गुबारा लगवाये ताकि टंकी मर जाने पर पानी बाहर न निकले।
7. बर्तन साफ़ किए हुए टब के पानी व कपड़े खगाले हुए पानी को पौधों व बगीचे में या अन्यथा काम लें।
8. गिरी वस्ते सामान/स्थान को पहले आड़ पांछ लें फिर गीले कपड़े से साफ़ करें।
9. धरों में कश छोने की बजाए केवल पोदा लगाकर ही साफ़ करें। पाईप से फर्श कभी न धोएं।
10. यदि कहीं कोई सार्वजनिक नल खुला देखे तो उसे तुरन्त बन्द कर दें।
11. पाईप लगाकर अपने बाहनों को न धोएं तथा पशु न नहलाएं।
12. अनावश्यक छिड़काय बिलकुल न करें तथा पीने वाले पानी से पशु न नहलाएं।
13. आप ओस्पर निकाला गया पानी बेकार न जाने दें।
14. पौधों की आवश्यकता अनुसार पाईप भी बजाए बाल्टी से ही पानी दें।
15. सिचाई के लिए फव्वास/द्विप तकनीक (स्प्रिंकलर सिस्टम) अपनाएं।
16. बर्फ जल संग्रहण सकनीक अपनाएं तथा गांव के तालाब में पानी एकत्रित करें।
17. नूजल रुटर बढ़ाने के लिए रिचार्जर लगाएं।

\* बिजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें। \* बड़े बल्ब की बजाए सी एक एल ट्यूब प्रयोग करें।

\* रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें।

**पानी बचेगा, जीवन बचेगा — बिजली बचेगी धन भी बचेगा।**

**स्वयं करें, परिवार व काम वाली/नौकर को समझायें, समाज को जगायें, देश बचायें।**

अभियान संयोजक : रमेश गोयल

क्षेत्रीय संयोजक, भारत विकास परिषद्,

20 आर एस डी कलोनी, सिरसा (हरियाणा) मो. 09418049757, 09215220757

सौजन्य :



For An Exclusive Nakshatra Diamond Jewellery

Nakshatra Universe

**ROYAL'S DIAMONDS**

Old Civil Hospital Market, Sirsa (Haryana)

94160-41214, 92150-41214, 92543-41214, 01666-235214

पढ़ें और पढ़ायें — फैक्ट नहीं काम में लाएं।



\* सम्पर्क \* सहयोग \* संस्कार \* सेवा \* समर्पण

# भारत विकास परिषद्, सिरसा

## जल, विद्युत बचत अभियान

'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बरबाद करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2004 के एक सर्वेक्षण के अनुसार पूरी दूनिया के एक अरब से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता है। भू-व जल वैज्ञानिकों की भविष्यवाणियों के अनुसार भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में अधिक जल दोहन से भू-जलस्तर में तेजी से आ रही गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। पानी के लिए लड़ाई गली मोहल्ले से लेकर विभिन्न देशों तक अवसर देखी गई है। पंजाब-हरियाणा, कर्नाटक-तामिलनाडु, हरियाणा-दिल्ली, पंजाब-राजस्थान जैसे प्रांतों का पानी के लिए आपसी तनाव जग जाहिर है। बहुत से लोग यह नहीं जानते कि वे अनजाने में बहुत पानी बरबाद करते हैं। हवा, पानी, भिट्टी आदि प्रकृति की देन हैं। अगर हम पानी की बचत नहीं करेंगे तो एक दिन ऐसा आएगा कि पानी के बिना हम तड़पने लगेंगे। संकल्प करें कि हम पानी को बरबाद नहीं होने देंगे।

निम्नलिखित अनुसार आप पानी की बचत कर सकते हैं :-

- ❖ कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छोड़ें।
- ❖ शोविंग या पेरस्ट करते या हाथ मुंह धोते समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें। मग में पानी भरकर प्रयोग करें। यदि सम्भव हो तो पुशा बटन बाली टूटी लगवायें।
- ❖ नहाते समय पानी बाल्टी भरकर मग ढारा ही प्रयोग करें। ❖ कपड़ों को भशीन में नहीं, बाल्टी में खंगालें।
- ❖ किसी पाईप में रिसाव हो तो उसे तुरन्त ठीक करायें। ❖ आर.ओ. का पानी बेकार न जाने दें।
- ❖ पानी की टंकी/कूलर आदि में गुबारा लगवाये ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले अन्यथा विशेष ध्यान रखें कि पानी बाहर न गिरे। ❖ अपने बाहनों को पाईप से न धोएं।
- ❖ बर्तन साफ किए हुए टब के पानी व कपड़े खंगाले हुए पानी को सफाई, पीछों या अन्य काम में लें।
- ❖ भिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें।
- ❖ घरों में फर्श धोने की बजाए केवल झाड़ पोचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी न धोएं।
- ❖ यदि कहीं कोई सार्वजनिक नल खुला देखें तो उसे तुरन्त बन्द दें। ❖ अनावश्यक छिड़काव बिल्कुल न करें।
- ❖ विजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें। ❖ बड़े बल्ब की बजाय सीएफएल ट्यूब प्रयोग करें।
- ❖ रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें।

**पानी बचेगा, बिजली बचेगी - बिजली बचेगी धन भी बचेगा**

**स्वयं करें, परिवार व काम वाली/नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचाएं।**



अभियान संयोजक :

**रमेश गोयल**

क्षेत्रीय संयोजक, भारत विकास परिषद्  
मो. 94160-49757, 92152-20757

डॉ.डी. वर्मा

सिरसा शाखा अध्यक्ष  
मो. 94161-27324

हरी औम भारद्वाज

(सचिव)

मो. 94161-24879

सौजन्य :

फोन : 01666-222411

**गुप्ता चैम्बर**

**सुरतगढ़िया चौक, सिरसा**

पढ़ें और पढ़ायें - फैक्ट्स नहीं काम में लाएं

सर्वोत्तम प्रिंटिंग प्रैस (ऑफ-सेट), सिरसा 221543



\* सम्पर्क \* सहयोग \* संस्कार \* सेवा \* समर्पण

# भारत विकास परिषद्, सिरसा

## जल, विद्युत बचत अभियान

'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बरबाद करते हैं। विश्व स्वारथ्य संगठन के 2004 के एक सर्वेक्षण के अनुसार पूरी दूनिया के एक अरब से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता है। भू व जल वैज्ञानिकों की भविष्यवाणियों के अनुसार भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में अधिक जल दोहन से भू-जलस्तर में तेजी से आ रही गिरावट इस खतरे का सकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक बोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। पानी के लिए लड़ाई गली मोहल्ले से लेकर विभिन्न देशों तक अवसर देखी गई है। पंजाब-हरियाणा, कर्नाटक-तामिलनाडू, हरियाणा-दिल्ली, पंजाब-राजस्थान जैसे प्रांतों का पानी के लिए आपसी तनाय जग जाहिर है। बहुत से लोग यह नहीं जानते कि वे अनजाने में बहुत पानी बरबाद करते हैं। हाया, पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन हैं। अगर हम पानी की बचत नहीं करेंगे तो एक दिन ऐसा आएगा कि पानी के बिना हम तड़पने लगेंगे। संकल्प करें कि हम पानी को बरबाद नहीं होने देंगे।

निम्नलिखित अनुसार आप पानी की बचत कर सकते हैं :—

- ❖ कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छोड़ें।
- ❖ शौचिंग या पेस्ट करते या हाथ मुँह धोते समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें। मग में पानी भरकर प्रयोग करें। यदि सम्भव हो तो पुश्त बटन वाली टूटी लगवायें।
- ❖ नहाते समय पानी थाली भरकर मग ढारा ही प्रयोग करें। ❖ कपड़ों को मशीन में नहीं, बाल्टी में खंगालें।
- ❖ किसी पाईप में रिसाव हो तो उसे तुरन्त ठीक करायें। ❖ आर.ओ. का पानी बेकार न जाने दें।
- ❖ पानी की टंकी/कूलर आदि में गुबारा लगवायें ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले अन्यथा विशेष ध्यान रखें कि पानी बाहर न गिरे। ❖ पाईप से अपने वाहनों को न धोएं तथा पशु न नहलाएं।
- ❖ बर्तन साफ किए हुए टब के पानी व कपड़े खंगाले हुए पानी को सफाई, पौधों या अन्य काम में ले।
- ❖ मिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें।
- ❖ घरों में फर्श धोने की बजाए केवल झाड़ पोचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी न धोएं।
- ❖ यदि कहीं कोई सार्वजनिक नल खुला देखें तो उसे तुरन्त बन्द दें। ❖ अनावश्यक छिड़काव बिल्कुल न करें।
- ❖ जल रस्तर बढ़ाने के लिए बाटर रीचार्जर लगायें। ❖ सिंचाई के लिए ड्रिप तकनीक अपनायें।
- ❖ विजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें। ❖ बड़े बल्ब की बजाय सीएफएल ट्यूब प्रयोग करें।
- ❖ रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें।

**पानी बचेगा, बिजली बचेगी — बिजली बचेगी धन भी बचेगा**

स्वयं करें, परिवार व काम वाली/नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचाएं।



अभियान संयोजक :

**रमेश गोयल**

क्षेत्रीय संयोजक, भारत विकास परिषद्  
20, आर.एम.डी. कालोनी, सिरसा मो. 94160-49757, 92152-20757

सौजन्य :

All Kinds of Flex Printing

**Pankaj Printers**

पढ़ें और पढ़ायें — फैक्ट नहीं काम में लाएं

डॉ.डी.वर्मा

सिरसा शाखा अध्यक्ष

मो. 94161-27324

हरी औम भारद्वाज

(सचिव)

मो. 94161-24879

Raman Sarraf : 94162-78333

Pankaj Sarraf : 94160-47888, 92159-47888

227 S.C.F., Old Civil Hospital Road, SIRSA 92543-47888

सर्वोत्तम प्रिंटिंग प्रेस (ऑफ-सेट), सिरसा 221543

क.प.उ.

पढ़ें और पढ़ायें - कैंकें नहीं काम में लाएं

\* सम्पर्क \* सहयोग \* संस्कार \* सेवा \* समर्पण

## भारत विकास परिषद्, सिरसा

### जल विद्युत बचत अभियान



'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बरबाद करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2004 के एक सर्वेक्षण के अनुसार पूरी दुनिया के एक अरब से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता है। भू-व जल वैज्ञानिकों की भविष्यवाणियों के अनुसार भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में अधिक जल दोहन से भू-जलस्तर में तेजी से आ रही गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। पानी के लिए लड़ाई गली मोहल्ले से लेकर विभिन्न देशों तक अक्सर देखी गई है। पंजाब-हरियाणा, कर्नाटक-तामिलनाडू, हरियाणा-दिल्ली पंजाब-राजस्थान जैसे प्रांतों का पानी के अक्सर आपसी तनाव जग जाहिर है। बहुत से लोग यह नहीं जानते कि वे अनजाने में बहुत पानी बरबाद करते हैं। हवा, पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन है परन्तु मुफ्त का माल नहीं है। अगर हम पानी की बचत नहीं करेंगे तो एक दिन ऐसा आएगा कि पानी के बिना हम तड़पने लगेंगे। संकल्प करें कि हम पानी को बरबाद नहीं होने देंगे।

निम्नलिखित अनुसार आप पानी की बचत कर सकते हैं :-

- ❖ कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छोड़ें।
- ❖ शैविंग या पेस्ट करते या हाथ मुंह धोते समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें। मग में पानी भरकर प्रयोग करें। यदि सम्भव हो तो पुश बटन वाली टूटी लगवायें।
- ❖ नहाते समय पानी बाल्टी भरकर मग ढारा ही प्रयोग करें। ❖ कपड़ों को मशीन में नहीं, बाल्टी में खंगालें।
- ❖ किसी पाईप में रिसाव हो तो उसे तुरन्त ठीक करायें।
- ❖ पानी की टंकी/कूलर आदि में गुबारा लगवायें ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले अन्यथा विशेष ध्यान रखें कि पानी बाहर न गिरे। ❖ अपने बाहनों को पाईप से न धोएं।
- ❖ बर्तन साफ किए हुए टब के पानी व कपड़े खंगाले हुए पानी को सफाई, पौधों या अन्य काम लें।
- ❖ मिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें।
- ❖ घरों में फर्श धोने की बजाए केवल झाड़ पोचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी न धोएं।
- ❖ यदि कहीं कोई सार्वजनिक नल खुला देखें तो उसे तुरन्त बन्द कर दें। ❖ छिड़काव न करें।
- ❖ बिजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें। ❖ बड़े बल्ब की बजाय सीएफएल टयूब प्रयोग करें।
- ❖ ऐचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें।

**पानी बचेगा, बिजली बचेगी - बिजली बचेगी धन भी बचेगा**

**स्वयं करें, परिवार व काम वाली/नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचाएं।**

रमेश गोयल अभियान संयोजक मो. 9416049757	डी.एन. अग्रवाल अभियान सह-संयोजक मो. 9215266769	डी.डी.वर्मा शाखा अध्यक्ष मो. 9416127324	हरी ओम भारद्वाज सचिव मो. 9416124879	सुमन मित्तल कोषाध्यक्ष मो. 9416475531
--	--	---	---	---

सौजन्य से :

**D.N. Aggarwal**

Chief Representative  
UTI Mutual Fund

**UTI Collection Centre**  
UTI Mutual Fund 142, Multani Colony, Sirsa Ph. 231269, Cell. 92152-66769

**UTI-ULIP \* FIX DEPOSIT \* LIFE INSURANCE \* MUTUAL FUND \* INCOME TAX PAN CARD**

सर्वोत्तम प्रिंटिंग प्रेस (ऑफ-सेट), सिरसा 221543



# पर्यावरण एवं जल संरक्षण अभियान



'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बर्बाद करते हैं। भू-जलस्तर में तेजी से गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। हवा, पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन है, मगर उसका सदुपयोग हमारा दायित्व है। पीने योग्य स्वच्छ जल कुल उपलब्ध जल का एक प्रतिशत से भी कम है। एक व्यक्ति पूरे जीवन में जितना प्रदूषण फैलाता है उसे शुद्ध करने में 300 वृक्षों की शक्ति लगती है। एक व्यक्ति एक दिन में जितनी ऑक्सीजन लेता है उससे 3 ऑक्सीजन सिलेण्डर भरे जा सकते हैं जिसकी अनुमानित लागत 2100/- बनती है। इस प्रकार एक व्यक्ति औंसतन अपने जीवनकाल में 5 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की ऑक्सीजन प्रकृति से मुफ्त में प्राप्त करता है परन्तु बदले में प्रकृति को कुछ नहीं देता। प्रति वर्ष जंगल कटते जा रहे हैं और इसी कारण प्रदूषण बढ़ रहा है जो वैश्विक तापमान बढ़ाने व जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण है। इससे वर्षा कम हो रही है और नदियों से जल घटता जा रहा है जो अधिक भूजल दोहन का बड़ा कारण है। प्रकृति से प्यार करें। प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करें। हर वर्ष एक पौधा अवश्य लगाएं और जल ऊर्जा संरक्षण को अपनी आदत का भाग बनाएं। प्रदूषण न फैलाएं-



- \* कभी भी नल को खुला न छोड़ें।
- \* पुश बटन बाली टूटी लगवाएं।
- \* शेविंग या पेस्ट करते या हाथ मुँह धोते समय पानी का प्रयोग मग से ही करें।
- \* नहाते समय बाल्टी तथा छोटे लोटे या मग का ही प्रयोग करें।
- \* कपड़ों को मशीन में नहीं बाल्टी में खंगालें।
- \* कम कपड़ों में मशीन न चलाएं।
- \* ड्रायर का पानी सफाई के काम में लें।
- \* पानी की टंकी/कूलर आदि में गूबारा लगवायें ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले। टंकी में अलीम 'वाटर बेल' लगवाएं।
- \* पाईप से अपने वाहनों को न धोएं तथा पशु न नहलाएं।
- \* मिट्टी बाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोछ लें फिर गोले कपड़े से साफ करें। धोने से परहेज करें।
- \* फर्श धोने की बजाय केवल झाड़ पोचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी भी न धोएं।
- \* छिड़काव बिल्कुल न करें।
- \* भूजल स्तर बढ़ाने के लिए बाटर रिजार्चर लगायें व सिंचाई के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली (ड्रिप तकनीक) अपनाएं।
- \* वर्षा जल संग्रहण तकनीक अपनाएं तथा गांव के तालाब व परम्परागत जल संग्रहक में पानी एकत्रित करें।
- \* तम्बाकू का प्रयोग बिल्कुल न करें, चीनी व चावल का उपयोग कम से कम करें क्योंकि इनके उत्पादन में सर्वाधिक पानी खर्च होता है। हर वर्ष कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और पेड़ बनने तक उसकी स्वयं सुरक्षा करें।
- \* कागज बेकार न करें और कम से कम प्रयोग करें, क्योंकि कागज पेड़ के गुदे से बनता है।
- \* लकड़ी के सामान का कम से कम प्रयोग करें।

**स्वच्छ भारत अभियान में अपना महयोग करें। कूड़ा कर्कट सुख्ले में न डालें।**

\* विजली आवश्यकता अनुसार ही जलाएं। \* बड़े बल्ब की बजाय एलईडी दृश्यम प्रयोग करें। \* रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलाएं। \* सौर ऊर्जा उपकरण उपयोग करें। ऊर्जा बचेगी व स्वास्थ्य लाभ मिलेगा।

**पेड़ बचेगा, पानी बढ़ेगा-पानी बचेगा, जीवन बचेगा**

भोजन तैयार होने तक अन्न, श्रम, जल, ऊर्जा, धन व कई महीनों का समय लगता है। भोजन बर्बाद न करें। इतना ही लो थाली में व्यर्थ न जाए नाली में।

**स्वयं करें, परिवार व काम बाली/ नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचायें।**

**अभियान संचालक - रमेश गोयल, पर्यावरणविद् एवं जल स्टार**

Phone : 9416049757 E-mail: rameshgoyalsrs@gmail.com [www.facebook.com/ramesh.goyal.52](http://www.facebook.com/ramesh.goyal.52)

## पर्यावरण प्रेरणा

(वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल ऊर्जा संरक्षण, प्रदूषण रोकथाम एवं स्वच्छता के निमित्त राष्ट्रीय संस्थान)

कृपया पढ़कर फेंके नहीं, किसी अन्य को पढ़ने के लिए दें।



# जल, विद्युत बचत अभियान



'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बरबाव करते हैं। विश्व स्वारथ्य संगठन के 2004 के एक सर्वेक्षण के अनुसार पूरी दृष्टिया के एक अखंड से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता है। भूजल वैज्ञानिकों की भविष्यवाणियों के अनुसार भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में अधिक जल दोहन से भू-जलस्तर में तेजी से आ रही गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। पानी के लिए लडाई गली नोहल्ले से लेकर विभिन्न देशों तक अक्सर देखी गई है। पंजाब-हरियाणा, कर्नाटक-तामिलनाडु, हरियाणा-विल्ली, पंजाब-राजस्थान जैसे प्रांतों का पानी के लिए आपसी तनाव जग जाहिर है। बहुत से लोग यह नहीं जानते कि वे अनजाने में बहुत पानी बरबाव करते हैं। हवा, पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन है, मगर उसका सदुपयोग हमारा दायित्व है। पीने यांग स्वच्छ जल कुल उपलब्ध पानी का एक प्रतिशत से भी कम है। भारत में जल संकट को दूर करने के रास्ते में चार मुख्य चुनौतियां हैं :- 1. सार्वजनिक सिंचाई नहरों की व्यवस्था में बढ़ावदारी, 2. कम हो रहे भूमि जल संग्रह को पुनः संग्रहित करना, 3. प्रति यूनिट पानी में फसलों की उत्पादकता में वृद्धि 4. भूमिगत और भूमि के उपर जल स्त्रोतों को नष्ट होने से बचाना। विद्युत जल विशेषज्ञ प्रो. असित विश्वास के अनुसार यीते वो सी वर्षों के मुकाबले आने वाले 20 वर्षों में जल प्रवर्धन की आवश्यकता उससे अधिक होगी। अगर हम पानी की बचत नहीं करेंगे तो 'विन पानी सब सून' अनुसार एक विन रेसा आएगा कि पानी के बिना हम लड़फने लगेंगे। किसी शहर या गांव में लभी मिलकर यदि यह लकल्प कर लें कि हम पानी को बर्बाद नहीं होने देंगे तो वहाँ कभी भी पानी की कमी नहीं होगी। आओ हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हम पानी को बर्बाद नहीं करेंगे।

**निम्नलिखित अनुसार आप पानी की बचत कर सकते हैं :-**

- ❖ कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छोड़।
- ❖ शैविंग या पेरेट करते या हाथ मुह धोते समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें। मग में पानी भरकर प्रयोग करें। ❖ यदि सम्भव हो तो पुश बटन वाली दूटी लगायें।
- ❖ नहाते समय पानी बाल्टी भरकर मग ढारा ही प्रयोग करें। ❖ कपड़ों को मशीन में नहीं, बाल्टी में खंगालें।
- ❖ किसी पाईप में रिसाव हो तो उसे तुरन्त ठीक करायें। ❖ आर.ओ. का पानी बेकार न जाने दें।
- ❖ पानी की टकी/कूलर आदि में गुबारा लगायें ताकि टकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले अन्यथा विशेष ध्यान रखें कि पानी बाहर न गिरे। ❖ पाईप से अपने बाहरों को न धोएं तथा पशु न नहलाएं।
- ❖ बर्तन साफ किए हुए टब के पानी व कपड़े खंगाले हुए पानी को सफाई, पौधों या अन्य काम में लें।
- ❖ मिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पौछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें। धोने से परहेज करें।
- ❖ घरों में कर्ण धोने की बजाए केवल झाड़ पौचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से कर्ण कभी भी न धोएं।
- ❖ यदि कहीं कोई सार्वजनिक नल खुला देखें तो उसे तुरन्त बन्द दें। ❖ अनावश्यक छिड़काव बिल्कुल न करें।
- ❖ भूजल स्तर बढ़ाने के लिए वाटर रिचार्जर लगायें। ❖ सिंचाई के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली (ड्रिप तकनीक) अपनायें।
- ❖ वर्षा जल संग्रहण तकनीक अपनाएं तथा गांव के तालाब में पानी एकत्रित करें।
- ❖ तमाकु, चीनी व चावल का उपयोग कम से कम करें यद्यकि इनके उत्पादन में सर्वाधिक पानी खर्च होता है
- ❖ विजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें। ❖ बड़े बल्ब की बजाय सीएफएल ट्यूब प्रयोग करें।
- ❖ रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें।

## पानी बचेगा, जीवन बचेगा - विजली बचेगी धन बचेगा

**स्वयं करें, परिवार व काम वाली/नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचाएं।**



**रमेश गोयल,** बी.ए., बी.कॉम., एल एल.बी., आयकर सलाहकार

क्षेत्रीय महामन्त्री, भारत विकास परिषद्

20, आर.एस.डी. कालोनी, सिरसा (हरिं) मो. 94160-49757, 92152-20757

सौजन्य : मनीष गोयल सी.ए., सी.एस., एल एल.बी. मो. 092150-20757

सर्वोत्तम प्रिंटिंग प्रिंट (ऑफ-सेट), सिरसा 221543 पढ़ें और पढ़ायें - फैकें नहीं, दूसरों को दे दें



सम्पर्क

सहयोग

संस्कार

सेवा

समर्पण

## भारत विकास परिषद्, सिरसा

# जल विद्युत बचत अभियान

जल ही जीवन है यह बात जानती हुर भी हम पानी को बहुत बरबाद करते हैं। विश्व स्वारक्ष्य रागड़न के 2004 के एक राखेशाण के अनुसार पूरी दुनिया के एक अख्य से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता। भू व जल वैज्ञानिकों की भविष्यवाणियों के अनुसार भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में अधिक जल दोहन से भू-जलस्तर में तेजी से आ रही मिरावट इस खतरे का संकेत है कि अनेक बाले समय में तीसरा विश्वमुद्ध पानी के नाम पर ही लड़ा जाएगा। 2031 तक बर्तमान स्तर से चार गुणा अधिक पानी की आवश्यकता होगी। पानी के नहत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। पानी के लिए लडाई गली गोहले से लेकर विभिन्न देशों तक अक्सर देखी गई है। पजाव हरियाणा, कर्नाटक-तामिलनाडू, हरियाणा-दिल्ली जैसे प्रांतों का पानी के लिए आपसी तनाव जग जाहिर है। बहुत माल नहीं जाते कि वे अनजाने में बहुत पानी बरबाद करते हैं। हवापानी, बिट्टी आदि प्रकृति की देन है परन्तु मुफ्त का माल नहीं है। भारत में जल संकट को दूर करने के रास्ते में चार मुख्य बुझौतियां हैं - 1. सार्वजनिक सिंचाई नहरों की बागता में लोग यह नहीं जाते कि वे अनजाने में बहुत पानी बरबाद करते हैं। हवापानी, बिट्टी आदि प्रकृति की देन है परन्तु मुफ्त का माल नहीं है। 2. कम ही रहे पुराम जल संग्रह को पुनर्संबंधित करना। 3. ब्रह्मि युनिट पानी में फसलों की उत्पादकता में बढ़ि 4. भूमिगत और भूमि के ऊपर जल स्रोतों का नष्ट होने से बचाना। विष्णात जल विशेषज्ञ प्रौढ़ आसित विरकास के अनुसार दीते दो सौ वर्षों के मुकाबले आने वाले 20 वर्षों में जल प्रबन्धन की आवश्यकता उत्तर से अधिक होगी। अगर हम पानी की बचता नहीं करेंगे तो विन पानी कर लें कि हम पानी की बरबाद नहीं होने देंगे तो बहा कभी भी पानी की कमी नहीं होगी। आओ हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हम पानी को बरबाद नहीं करेंगे।

हम निम्नलिखित अनुसार पानी की बचत कर सकते हैं -

1. कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छोड़े। 2. संविंध या प्रेस्ट करते या हाथ गुह घोरो समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें। सभ में पानी बरकर ब्रयोग करें। यदि सम्भव हो तो पुराम बर्टन याली दूरी लगायें। 3. नहाते समय पानी बाल्टी भर द्दी प्रयोग करें। 4. कपड़ों की नशीले में नहीं बाल्टी में खगाल। 5. किसी पाइप में रिकाव हो तो उसे तुरन्त ढीक करायें। 6. पानी की टक्की/कूलर आदि में गुड़ासा लगायें ताकि टक्की भर जाने पर पानी बाहर न निकले। 7. बर्तन साफ किए हुए टब के पानी व कपड़े खगाले हुए पानी को पीछे व बगीचे में या अन्यथा काम लें। 8. भिड़ी वाले सामान/रथ्यान को पहले झाड़ पौछ लें, फिर भी ले कपड़े से साफ करें। 9. घर में फर्श धोने की बजाए केवल पोचा लानाकर ही साफ करें। पाइप से फर्श कभी न धोएं। 10. यदि कहीं कोई सार्वजनिक नल खुला देखे तो उसे तुरन्त बन्द कर दें। 11. पाइप लगाकर आने वाहनों को न पाए तथा पशु न भहलाए। 12. अनावश्यक छिड़काव बिलकुल न करें तथा पीने वाले पानी से पशु न भहलाए। 13. आर औ छापा निकाला गया पानी बैकार न जाने दें। 14. पौधों का आवश्यकता अनुसार पाइप की बजाए बाल्टी से ही पानी दें। 15. सिंचाई के लिए फवास/डिप तकनीक (स्प्रिंक्लर सिस्टम) अपनाएं। 16. ऊपरी जल सम्भरण तकनीक अपनाएं (या मात्र के तालाब में पानी एकत्रित करें। 17. गूहाल स्तर बढ़ाने के लिए रिकार्डर लगाएं।

\* बिजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें। \* बड़े बल्ब की बजाए सी एक ऐल ट्यूब प्रयोग करें।

\* रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें।

**पानी बचेगा, जीवन बचेगा — बिजली बचेगी धन भी बचेगा।**

**स्वयं करें, परिवार व काम वाली/नौकर को समझायें, समाज को जगायें, देश बचायें।**



अभियान संयोजक : रमेश गोयल

सेत्रीय संयोजक, भारत विकास परिषद्

20 आर एस डी कलोनी, सिरसा (हरियाणा) गो. 09416049757, 09215220757

सौजन्य :



For An Exclusive Nakshatra Diamond Jewellery  
Nakshatra Universe

**ROYAL'S DIAMONDS**

Old Civil Hospital Market, Sirsa (Haryana)

94160-41214, 92150-41214, 92543-41214, 01666-235214

पढ़ें और पढ़ायें — फैक्टों नहीं काम में लाएं।



\* सम्पर्क \* सहयोग \* संस्कार \* सेवा \* समर्पण

# भारत विकास परिषद्, सिरसा

## जल, विद्युत बचत अभियान

'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बरबाद करते हैं। विश्व खास्थ्य संगठन के 2004 के एक सर्वेक्षण के अनुसार पूरी दृनिया के एक अरब से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता है। भू-व जल वैज्ञानिकों की भविष्यवाणियों के अनुसार भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में अधिक जल दौहन से भू-जलस्तर में तेजी से आ रही गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दौहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। पानी के लिए लड़ाई गली मोहल्ले से लेकर विभिन्न देशों तक अक्सर देखी गई है। पंजाब-हरियाणा, कर्नाटक-तामिळनाडू, हरियाणा-दिल्ली, पंजाब-राजस्थान जैसे प्रांतों का पानी के लिए आपसी तनाव जग जाहिर है। बहुत से लोग यह नहीं जानते कि वे अनजाने में बहुत पानी बरबाद करते हैं। हवा, पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन हैं। अगर हम पानी की बचत नहीं करेंगे तो एक दिन ऐसा आएगा कि पानी के बिना हम तड़पने लगेंगे। संकल्प करें कि हम पानी को बरबाद नहीं होने देंगे।

**निम्नलिखित अनुसार आप पानी की बचत कर सकते हैं :-**

- ❖ कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छोड़ें।
- ❖ शेविंग या पेस्ट करते या हाथ मुँह धोते समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें। मग में पानी भरकर प्रयोग करें। यदि सम्भव हो तो पुश बटन वाली टूटी लगवायें।
- ❖ नहाते समय पानी बाल्टी भरकर मग ढारा ही प्रयोग करें। ❖ कपड़ों को मशीन में नहीं, बाल्टी में खंगालें।
- ❖ किसी पाईप में रिसाव हो तो उसे तुरन्त ठीक करायें। ❖ आरओ. का पानी बेकार न जाने दें।
- ❖ पानी की टंकी/कूलर आदि में गुबारा लगवाये ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले अन्यथा विशेष ध्यान रखें कि पानी बाहर न निर। ❖ अपने बाहनों को पाईप से न धोएं।
- ❖ बर्तन साफ किए हुए टब के पानी व कपड़े खंगाले हुए पानी को सफाई, पीधां या अन्य काम में लें।
- ❖ मिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोछ ले फिर गीले कपड़े से साफ करें।
- ❖ घरों में फर्श धोने की बजाए केवल झाड़ पोचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी न धोएं।
- ❖ यदि कहीं कोई सार्वजनिक नल खुला देखें तो उसे तुरन्त बन्द दें। ❖ अनावश्यक छिड़काव बिल्कुल न करें।
- ❖ बिजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें। ❖ बड़े बल्ब की बजाय सीएफएल ट्यूब प्रयोग करें।
- ❖ रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें।

**पानी बचेगा, बिजली बचेवी - बिजली बचेवी धन भी बचेगा**

**स्वयं करें, परिवार व काम वाली/नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचाएं।**



अभियान संयोजक :

**रमेश गोयल**

क्षेत्रीय संयोजक, भारत विकास परिषद्  
मो. 94160-49757, 92152-20757

डी.डी. वर्मा

सिरसा शाखा अध्यक्ष

मो. 94161-27324

हरी औम भारद्वाज

(सचिव)

मो. 94161-24879

सौजन्य :

फोन : 01666-222411

**गुप्ता चृष्टमाधर**

**सुरतगढ़िया चौक, सिरसा**

पढ़ें और पढ़ायें - फैकें नहीं काम में लाएं

सर्वोत्तम प्रिंटिंग प्रेस (ऑफ-सेट), सिरसा 221543

पढ़ें और पढ़ायें - कैंकें नहीं काम में लाएं

\* सम्पर्क \* सहयोग \* संस्कार \* सेवा \* समर्पण



## भारत विकास परिषद्, सिरसा

### जल विद्युत बचत अभियान

'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बरबाद करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2004 के एक सर्वेक्षण के अनुसार पूरी वृनिया के एक अरब से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता है। भू व जल वैज्ञानिकों की भविष्यवाणियों के अनुसार भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में अधिक जल दोहन से भू-जलरस्तर में तेजी से आ रही गिरावट इस खतरे का सकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के बलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। पानी के लिए लड़ाई गली मोहल्ले से लेकर विभिन्न देशों तक देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। पानी के लिए लड़ाई गली मोहल्ले से लेकर विभिन्न देशों तक अक्सर देखी गई है। पंजाब-हरियाणा, कर्नाटक-तामिलनाडु, हरियाणा-दिल्ली पंजाब-राजस्थान जैसे प्रांतों का पानी के लिए आपसी तनाव जग जाहिर है। बहुत से लोग यह नहीं जानते कि वे अनजाने में बहुत पानी बरबाद करते हैं। हवा, पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन है परन्तु मुफ्त का माल नहीं है। अगर हम पानी की बचत नहीं करेंगे तो एक दिन ऐसा आएगा कि पानी के बिना हम तड़पने लगेंगे। संकल्प करें कि हम पानी को बरबाद नहीं होने देंगे।

निम्नलिखित अनुसार आप पानी की बचत कर सकते हैं :-

- ❖ कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छोड़ें।
- ❖ शेविंग या पेस्ट करते या हाथ मुँह धोते समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें। मग में पानी भरकर प्रयोग करें। यदि सम्भव हो तो पुश्त बटन वाली टूटी लगवायें।
- ❖ नहाते समय पानी बाल्टी भरकर मग द्वारा ही प्रयोग करें। ❖ कपड़ों को मशीन में नहीं, बाल्टी में खंगालें।
- ❖ किसी पाईप में रिसाय हो तो उसे तुरन्त ठीक करायें।
- ❖ पानी की टकी/कूलर आदि में गुबारा लगवायें ताकि टकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले अन्यथा विशेष ध्यान रखें कि पानी बाहर न गिरे। ❖ अपने वाहनों को पाईप से न धोएं।
- ❖ बर्टन साफ किए हुए टब के पानी व कपड़े खंगाले हुए पानी को सफाई, पौधों या अन्य काम लें।
- ❖ मिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोछ ले फिर गीले कपड़े से साफ करें।
- ❖ घरों में फर्श धोने की बजाए केवल झाड़ पोचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी न धोएं।
- ❖ यदि कहीं कोई सार्वजनिक नल खुला देखें तो उसे तुरन्त बन्द कर दें। ❖ छिड़काव न करें।
- ❖ बिजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें। ❖ बड़े बल्ब की बजाय सीएफएल ट्यूब प्रयोग करें।
- ❖ रसाई, शैवालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें।

**पानी बचेगा, बिजली बचेवी - बिजली बचेवी धन भी बचेगा**

**स्वयं करें, परिवार व काम वाली/नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचाएं।**

रमेश गोयल अभियान संयोजक मो. 9416049757	डी.एन. अग्रवाल अभियान सह-संयोजक मो. 9215266769	डी.डी. वर्मा शाखा अध्यक्ष मो. 9416127324	हरी ओम भारद्वाज सचिव मो. 9416124879	सुमन मित्तल कोषाध्यक्ष मो. 9416475531
--	--	--	---	---

जन्य से :

**D.N. Aggarwal**

Chief Representative  
UTI Mutual Fund

**UTI Collection Centre**  
Mutual Fund 142, Multani Colony, Sirsa Ph. 231269, Cell. 92152-66769

**ULIP \* FIX DEPOSIT \* LIFE INSURANCE \* MUTUAL FUND \* INCOME TAX PAN CARD**